वराहमिहिर वचन

नवम्बर माह के प्रत्येक दिवस को अनुकूल व सफलता युक्त बनाने के उपाय.....!

30-31 अक्टूबर व 1 नवम्बर को महालक्ष्मी दीपावली महोत्सव कैलाश सिद्धाश्रम जोधपुर में सम्पन्न होगा।

साधना सामग्री युक्त दीक्षा न्यौछावर ₹ 4100

02. भोर काल में घर के बाहर ग्यारह तेल के दीपक प्रज्जवलित करने से अनेक स्वरूपों में लक्ष्मी का आगमन होता है।

03. भाई दूज व यम द्वितीया दिवस को कच्चा दूध व काले तिल मिलाकर जल से स्नान करें।

07. छठ पूजा पर्व पर सूर्योदय व सूर्यास्त को अर्घ्य प्रदान करें।

09-10 को कोरबा (छ.ग.) में भगवती नारायण सुखदामय सहस्त्र लक्ष्मी साधना महोत्सव सम्पन्न होगा।

12-13-14-15 कार्तिक पूर्णिमा निखिल योग-भोग दीक्षा महो. जोधपुर में सम्पन्न होगा।

13. दीपावली पर्व जो भी साधना मंत्र जप सम्पन्न किया है। उसकी विधिनुसार पूजन कर अगले दिन सामग्री को मन्दिर अथवा जल में विसर्जित करें। जिससे वरूण देवता के सुभावों से साधना का यथाशीघ्र लाभ मिलना प्रारम्भ हो जाता है।

15. कार्तिक पूर्णिमा संन्यास महोत्सव निखिल नारायण जीवन प्राप्ति साधना महोत्सव नागपुर (MH) में सम्पन्न होगा।

संन्यास पर्व की चेतना से जीवन पूर्ण विष्णु नारायणमय बने इस हेतु विष्णु लक्ष्मी रिद्धि-सिद्धि दीक्षा ग्रहण करें।

दीक्षा न्यौछावर ₹ 1500

16-17 शिवानी शक्ति सहस्त्र सुख प्राप्ति साधना महोत्सव कांकेर (छ.ग) में सम्पन्न होगा।

18. चन्द्रोदय युक्त गणेश चतुर्थी पर्व पर गणेशाष्टक स्त्रोत का पाठ करें।

22-23-24 योग-भोग धनदा भगवान श्री जगन्नाथ सर्व सुखदा प्राप्ति साधना महोत्सव जगन्नाथपुरी (ORISSA) में सम्पन्न होगा।

सद्गुरूदेव जी के साथ भगवान श्रीकृष्ण के देव तीर्थ पर साधना पूजा दीक्षा ग्रहण करने से सर्वांगीण रूप से जीवन योगेश्वरमय निर्मित होता है। ऐसे धाम में सपरिवार आना ही चाहिये।

23. काल भैरव जयन्ती पर्व पर जीवन के सभी शत्रुओं के संहार हेतु असीम भैरव शक्ति दीक्षा ग्रहण करें।

दीक्षा न्यौछावर ₹ 1500

26. हस्त प्रीति योग युक्त उत्पन्ना एकादशी दिवस को सात तरह के धान का दान करें।

27-28-29-30 त्रियोगमय शिव-गौरी, स्वाति कामना पूर्ति दीक्षा महो. कैलाश नारायण धाम दिल्ली में सम्पन्न होगा।

28. वक्री गुरू युक्त शिव प्रदोष पर्व पर संध्या काल में खीर का भोग लगाकर शिव आरती सम्पन्न करें।

29. तिरूपति बालाजी के अभ्युदय पर्व पर तिरू का तात्पर्य श्री व पति का अर्थ प्रभु है अतः गृहस्थ जीवन को सुखमय बनाने हेतु दोनों पति-पत्नी तिरू व पति एकाकार दीक्षा ग्रहण करें। Eachदीक्षा न्यौ. ₹ 1500

30. पितृकार्येषु अमावस्या दिवस को जो भी हमारे प्रिय जन रहे है। उनकी फोटों को रसोई घर में रख कर स्मरण करते हुये पुष्प अर्पित करें।

यह ध्यान रखें कि पितरों पूर्वजों का कोई चित्र विग्रह पूजा स्थान में नहीं रखें।

काल निर्णय

ब्रह्म मुहूर्त का समय प्रातः 4:24 से 6:00 बजे तक ही रहता है।

दिवस	रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
नवम्बर	17, 24	18, 25	19, 26	20, 27	21, 28	22, 29	16, 23, 30
दिसम्बर	01, 08, 15	02, 09	03, 10	04, 11	05, 12	06, 13	07, 14
श्रेष्ठ समय दिन	07:36 से 10:00 12:24 से 02:48	06:00 से 10:48 01:12 से 03:36 03:36 से 06:00	06:00 से 07:36 10:00 से 10:48 12:24 से 02:48	06:48 से 08:24 08:24 से 11:36	06:00 से 06:48 10:48 से 12:24 03:00 से 05:12 05:12 से 06:00	09:12 से 10:30 12:00 से 12:24 02:00 से 06:00	10:48 से 02:00 05:12 से 06:00
श्रेष्ठ समय रात	07:36 से 09:12 11:36 से 02:00	08:24 से 11:36 02:00 से 03:36	08:24 से 11:36 02:00 से 03:36	06:48 से 10:48 02:00 से 04:24	10:00 से 12:24	08:24 से 10:48 01:12 से 02:00	08:24 से 10:48 12:24 से 02:48 04:24 से 06:00